बपतिस्मे की भाषा

बपतिस्मे के लिए इस्तेमाल की गई शब्दावली व्याख्यात्मक और अर्थ पूर्ण, चित्रों और समृद्ध कल्पना से भरपूर है। ये शब्द और वाक्यांश सुस्पष्ट और समझ आने वाले हैं; इनसे हमें बपतिस्मे के विभिन्न पहलुओं को समझने में सहायता मिलती है। बपतिस्मे के साथ इस्तेमाल किए गए निम्न शब्दों की ध्यान से समीक्षा करें।

सुसमाचार की पुस्तकों में

1. *''उद्धार पाया''* (मरकुस 16:16; 1 पतरस 3:21 भी देखें)। ''उद्धार पाया'' शब्द यूनानी भाषा के *sozo* से लिया गया है जिसमें शारीरिक या आत्मिक किसी भी अर्थ में छुटकारे का विचार पाया जाता है।

नये नियम में *सोज़ो* (sozo) शब्द का इस्तेमाल कई बार गंभीर खतरे से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है (मत्ती 8:25; 14:30; 27:40; मरकुस 15:30; यूहन्ना 12:27; प्रेरितों 7:25 भी देखें [''छुटकारा'']; 27:20; इब्रानियों 5:7; 11:7)। अन्य जगहों पर इसका अनुवाद रोगियों के चंगा होने के हवाले से ''अच्छा हुआ'' के रूप में किया गया है (प्रेरितों 4:9; 14:9; याकूब 5:15)। पाप में खोए हुओं के आत्मिक अपराधों से उद्धार के लिए भी इसका इस्तेमाल किया गया है (मत्ती 1:21; मरकुस 16:16; लूका 19:10; प्रेरितों 2:40; 1 तीमुथियुस 1:15)।

2. *''नये सिरे से जन्म''* (यूहन्ना 3:3-5)। नये सिरे से जन्म लेने का अर्थ जीवन पाने के अर्थ में ''जन्म पाया हुआ'' (यू.: gennao) है। नये नियम का भाव सम्भवत: वैसा ही है जैसे यहूदी विचार में पाया जाता था: ''विश्वास से फिरने वाले लोग मन परिवर्तन से ही वास्तविक जीवन में अस्तित्व में आते हैं। ऐसा वे पवित्र लोगों की [देह] में आकर करते हैं; ... पुराने सम्बन्ध खत्म हो जाते हैं; नये शुरू हो जाते हैं।''[1]

प्रेरितों के काम की पुस्तक में

3. *''क्षमा''* (प्रेरितों 2:38; कुलुस्सियों 2:12, 13)। ''क्षमा'' यूनानी शब्द aphiemi से निकला है जिसका अर्थ ''भेजना,'' ''छोड़ना,'' ''दूर फैंकना,'' या ''माफ़ करना'' है। पाप से छोड़ने के लिए इस्तेमाल करते हुए इसका अर्थ ''भेजा हुआ'' हो जाता है।

4. पाप *''धुल गए''* (प्रेरितों 22:16; इफिसियों 5:26; तीतुस 3:5 भी देखें)। ''धो डालना'' (यू.: *apolouo*) जो *apo* (जिसका अर्थ ''से दूर'') और *louo* (''धोना'')

का मेल नये नियम में केवल यहीं मिलता है। नहाते समय मैल उतारी जाती है, बपतिस्मे में यीशु के लहू से पाप धोए जाते हैं।

पत्रियों में

5. *''पाप के लिए मर गए,'' ''उसकी मृत्यु का [में] बपतिस्मा लिया,'' और ''मृत्यु का [में]''* (रोमियों 6:1-4)। ''मर गए'' (यू.: *nekros*) और ''मृत्यु'' (यू.: *thanatos*) शब्दों का इस्तेमाल जीवन के अंत को व्यक्त करने के लिए किया गया है। बपतिस्मा लेकर हमें पाप में जीना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि बपतिस्मे से हम पाप के लिए मरते हैं। यीशु की मृत्यु में प्रवेश करके, हम पाप के पुराने जीवन के लिए मरकर आत्मिक अर्थ में उसके साथ मर जाते हैं।

6. *''मसीह का [में] बपतिस्मा लिया''* (रोमियों 6:3)। मसीह ''में'' (into) प्रवेश करने से अभिप्राय आत्मिक रूप से यीशु का भाग होना है। जब हम बपतिस्मा लेते हैं, तो उसके साथ एक हो जाते हैं, उसकी पवित्रता, उद्देश्य और जीवन के ढंग में उसके साथ मिल जाते हैं।

7. *''उसके साथ गाड़े गए'' और ''जी उठे''* (रोमियों 6:4; कुलुस्सियों 2:12)। बपतिस्मे में हम शारीरिक रूप से यीशु के गाड़े जाने और जी उठने को फिर से दिखाते हैं। इसके साथ ही हमें आत्मिक रूप से नये जीवन के लिए जी उठने के लिए आत्मिक रूप में भी मरना चाहिए। उसके साथ बपतिस्मे में मरकर और जी उठकर, हम उसके गाड़े जाने और जी उठने में अपना विश्वास व्यक्त करते हैं। हमारे विश्वास का प्रतिफल उद्धार के रूप में मिलता है (रोमियों 10:9; 1 पतरस 3:21)। जब हम डुबोने की शारीरिक क्रिया में आत्मिक रूप से शामिल होते हैं, तो उसका परिणाम उसके साथ जिसके साथ हम गाड़े गए और जी उठे थे, नया और बदला हुआ जीवन होता है (रोमियों 6:17, 18)।

8. *''नये जीवन की चाल चलें'' और ''जिलाया''* (रोमियों 6:4; कुलुस्सियों 2:12, 13)। ''चलें'' का अभिप्राय कार्य और गति से है। बपतिस्मे के द्वारा हमें एक नई आत्मिक जीवन शैली आरम्भ करनी चाहिए जो कि आत्मिक रूप से जिलाए जाने का परिणाम हो।

9. *''उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान की समानता में उसके साथ जुट गए''* (रोमियों 6:5)। ''साथ जुट गए'' (यू.: *sunphutos*) उस मूल शब्द से लिया गया है जिसका अर्थ ''इकट्ठे बढ़ना'' है। बपतिस्मे में हम अपने अतीत पर विजय पाकर फिर से उस जीवन में जिसके लिए हम मर गए कभी प्रवेश न करने के लिए, एक नये जीवन में आते हैं। केवल यीशु ही पवित्र और निष्कलंक था, और उसने परमेश्वर व अन्य लोगों की सेवा की। हमें उसी प्रकार के जीवन से उसके साथ एकजुट होना है अर्थात हमें वैसे ही चलना है जैसे वह चलता था (1 यूहन्ना 2:6)।

10. *''पुराने मुनष्य को उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया''* (रोमियों 6:6)। ''साथ क्रूस पर चढ़ाया गया'' (यू.: sustauroo) एक मिला-जुला शब्द है: *sun* (अर्थात ''साथ'') और *stauroo* (अर्थात ''क्रूस पर चढ़ाना'') सुझाव देता है कि बपतिस्मे में

हम यीशु के साथ क्रूस पर चढ़ाए जाते हैं। शारीरिक रूप से क्रूस पर चढ़ाए जाने को आत्मिक अर्थ में हमारे बपतिस्मे से पूरा किया जाता है। वह तो शारीरिक रूप से मरा, परन्तु हम अपने पुराने मनुष्यत्व की पापपूर्ण अभिलाषाओं से मरकर आत्मिक रूप में मरते हैं।

11. *पाप का शरीर ''व्यर्थ हो गया''* (रोमियों 6:6)। ''व्यर्थ हो गया'' यूनानी शब्द katargeo से लिया गया है जिसका अर्थ ''शक्तिहीन करना, मिटाना व मार डालना'' है। यदि बपतिस्मे में हम आत्मिक रूप से शामिल हैं, तो हमारे उन पापों को मिटा दिया जाता है जो किसी समय हमारे ऊपर शारीरिक अभिलाषाओं के द्वारा राज करते थे।

12. *''आगे को पाप के दासत्व में न रहें''* (रोमियों 6:6)। ''दासत्व'' शब्द *douleuo* से लिया गया है जिसका अर्थ दास द्वारा की गई सेवा है। पाप भरे जीवन को छोड़कर जिसकी अनुमति हम पहले अपने शरीरों में देते थे, अब हमें पाप के दास बनकर उसकी सेवा नहीं करनी चाहिए।

13. *''पाप से छुड़ाए गए''* (रोमियों 6:7, 17, 18)। पाप के लिए हमारे मरने का परिणाम पाप के दासत्व से हमारी स्वतन्त्रता होगी।

14. *''धर्म के दास''* (रोमियों 6:18)। हम दासत्व से निकल नहीं सकते। या तो हम पाप के दास हैं या धर्म के। पाप की दासता को छोड़कर हमें धर्म के दास (यू.: douloo जिसका अर्थ ''गुलाम'' है) बन जाना चाहिए।

15. *''परमेश्वर की संतान''* (गलातियों 3:26)। ''संतान'' शब्द huios से लिया गया है। नये नियम में इस शब्द का इस्तेमाल न केवल सम्बन्ध दिखाने बल्कि स्वभाव का संकेत देने के लिए भी किया गया है। (पृष्ठ 62 पर ''परमेश्वर की संतान'' नामक लेख को देखें।) बपतिस्मे में आत्मिक रूप से भाग लेना हमें नये जन्म से कहीं आगे ले जाता है, जिसमें हमें परमेश्वर का स्वभाव मिलता है। यह कहावत कि ''जैसा बाप, वैसा बेटा'' हमारे लिए ''जैसा यीशु, वैसे उद्धार पाए हुए'' होनी चाहिए।

16. *''मसीह को पहन लिया''* (गलातियों 3:27)। परमेश्वर की संतान बनने पर, हमें यीशु के स्वभाव में बदलना आवश्यक है। जब हम कपड़े पहनते हैं, तो उनसे हमारे व्यक्तित्व में निखार आता है। इसी प्रकार जब हम यीशु को पहनते हैं तो आत्मिक रूप से हमारे जीवन से यीशु का व्यक्तित्व दिखाई देना चाहिए। बपतिस्मे में हम यीशु को ''पहनते'' हैं (यू.: *endo-en* जिसका अर्थ ''*duno*'' के साथ ''in'' अर्थात किसी कपड़े में डूबने के अर्थ में ''में डूबना,'' ''में प्रवेश,'' या ''पहनना'')।

17. *''मसीह में एक होना''* (गलातियों 3:28)। हम में से हर एक को जिसने यीशु को पहन लिया है, एक ही आत्मिक स्वभाव मिला है। एक ही स्वभाव होने के कारण हम सब एक जैसे हैं, जिसका अर्थ यह होना चाहिए कि हम एक हैं।

18. *''खतना हुआ है''* (कुलुस्सियों 2:11, 12)। जैसे खतना करने के लिए शरीर से मांस को उतार दिया जाता है, वैसे ही बपतिस्मे में पाप से गंदा हुआ शरीर उतार देना आवश्यक है।

19. *नूह एक ''दृष्टांत'' के रूप में* (1 पतरस 3:20, 21)। ''उसी पानी का दृष्टांत भी,

अर्थात बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है ...।'' दृष्टांत वास्तविकता के प्रतिरूप की एक तस्वीर है। नूह के जहाज़ को तैराने वाला पानी बपतिस्मे (प्रतिरूप) के पानी की वास्तविकता की परछाईं (दृष्टांत) है, जो अब हमें बचाता है। नूह के लिए जहाज से किसी प्रकार के लाभ के लिए, पानी आवश्यक था। यदि परमेश्वर विनाश के लिए आग, कीटाणुओं या किसी और चीज़ को भेजता, तो दुष्ट संसार के साथ नूह और उसके परिवार का भी नाश हो जाता। परन्तु परमेश्वर ने पानी भेजा जिससे नूह और उसका परिवार सुरक्षित बच गए। यह हमारे उद्धार का दृष्टांत है; बपतिस्मे का पानी इसका प्रतिरूप है, जिसके द्वारा हम उद्धार तक आते हैं।

20. ''*शुद्ध विवेक*'' (1 पतरस 3:21)। जब तक कोई बपतिस्मा नहीं लेता, तब तक उसमें उसके पाप बने रहते हैं; इसलिए, उसका विवेक भी व्याकुल है। बपतिस्मा लेकर, हम यीशु के लहू से शुद्ध होने को समझ सकते हैं। इससे ऐसा विवेक मिलता है कि पापों के कारण कोई परेशान नहीं होता।

सारांश

बपतिस्मे के साथ बहुत से सार्थक उदाहरण जुड़े हैं। इन उदाहरणों से हमें बपतिस्मे से जुड़ी आशिषों को समझने में सहायता मिलती है ताकि हम इस बात को समझ सकें कि परमेश्वर हमारे लिए ज़्या कर रहा है और उसकी इच्छा के अनुसार उसकी बात मान सकें।

पाद टिप्पणी

[1]के. एच. रेंगस्टोर्फ, *थियोलोजिकल डिज़्शनरी ऑफ़ द न्यू टैस्टामेंट,* सं. गेरहर्ड किटल और गेरहर्ड फ्रेड्रिच, अनु. व सं. ज्योफरी डज़्ल्यू. ब्रोमिले (ग्रैंड रैपिड्स मिशी. Wm. B. ईर्डमैंस पज़्लिशिंग कं. 1985), 115 में ''*gennao.* ''